

प्रेषक,

संख्या:—XXIV(6)/2016-33(4)/12

डॉ० रंजीत कुमार सिन्हा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

कुलसचिव/वित्त अधिकारी,
श्री देव सुमन विश्वविद्यालय,
बादशाहीथौल, टिहरी।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून: दिनांक: 02 जुलाई, 2016

विषय: वर्तमान वित्तीय वर्ष 2016-17 के आयोजनागत पक्ष (Plan) की मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद में धनराशि अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, अपने संख्या:-SDSUV/Acct/633/2016 दिनांक 15.06.2016 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- उक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के लिए वित्तीय वर्ष 2016-17 हेतु आयोजनागत पक्ष में मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद में प्राविधानित धनराशि रू० 7.33 लाख (रू० सात लाख तैतीस हजार मात्र) के सापेक्ष प्रथम किस्त के रूप में रू० 3.665 लाख (रू० तीन लाख छयासठ हजार पांच सौ मात्र) की धनराशि अवमुक्त किये जाने हेतु वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31 मार्च 2016 में दिए गए दिशा-निर्देशों एवं निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) उक्त स्वीकृत धनराशि के बिल प्राचार्य, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नई टिहरी के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरान्त आहरित की जायेगी।
- (ii) विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी द्वारा उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण तभी किया जायेगा, जबकि गत वित्तीय वर्ष/वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत धनराशि का नियमानुसार उपभोग कर लिया गया हो तथा कोई भी धनराशि अवशेष न हो। धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार ही किया जाएगा।
- (iii) व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर वित्त विभाग के निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इस संबंध में वेतन मदों के अतिरिक्त शेष मदों में मितव्ययता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्य योजना बना ली जाय तदनुसार विशेषकर आयोजनेत्तर पक्ष में बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित करें।
- (iv) विभिन्न मदों में व्यय भार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जाएगी एवं कोई भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जाएगा, क्योंकि उससे मासिक आधार पर व्यय की भ्रामक सूचना परिलक्षित होती है। इस संबंध में समस्त वित्तीय नियमों, विनियमों एवं वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31 मार्च, 2016 में दिए गए दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाये।
- (v) इस अनुदान का उपयोग शासन द्वारा अनुमोदित पदों तथा मदों पर ही किया जायेगा। किसी भी दशा में एक मद की धनराशि दूसरे मद में व्यय न की जाये अन्यथा की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी का पूर्णतः उत्तरदायित्व होगा। जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किए जाय, उनमें स्पष्ट रूप से



लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या-मद का भी उल्लेख अवश्य किया जाय, स्वीकृत धनराशि का व्ययवर्तन किसी भी दशा में मान्य नहीं होगा।

- (vi) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिक के नियमों, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय, उक्त मद में व्यय करने के उपरांत यदि धनराशि अवशेष रह जाती है तो प्रशासकीय विभाग को इसकी सूचना अनिवार्य रूप से दी जाय ताकि आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

3- इस संबंध में होने वाला व्यय संलग्न **विशिष्ट एलॉटमेंट आई0डी0 संख्या-H1 6081101/11** के अनुरूप वर्तमान वित्तीय वर्ष 2016-17 लेखानुदान में अनुदान संख्या-11 के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2202-सामान्य शिक्षा-03- विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों को सहायता-आयोजनागत-08-श्री देव सुमन विश्वविद्यालय-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद की सुसंगत इकाई के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(डॉ० रजीत कुमार सिन्हा)
अपर सचिव।

संख्या: 593 (1)/XXIV(6)/2016-33(4)/12, तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबेरॉय मोटर्स बिल्डिंग, देहरादून।
2. कुलपति, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय बादशाहीथौल, टिहरी।
3. जिलाधिकारी, टिहरी।
4. निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी।
5. कोषाधिकारी, टिहरी।
6. प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नई टिहरी।
- ✓ 7. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से


(लक्ष्मण सिंह)

संयुक्त सचिव।